अफगानस्तिान से अमेरकिी सैनकिों की वापसी

प्रलिमि्स के लयि:

अररयिा फॉर्मूला, डूरंड रेखा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परषिद

मेन्स के लयि:

अफगानस्तिान से वदिेशी सैनकिों की वापसी का भारत पर प्रभाव

चर्चा में क्यों?

अफगानस्तिान से अधकि सैनकिों की वापसी की गतबिढ़ाने के लयि अमेरकिा की नवीनतम योजना अफगानस्तिान में चल रही शांतप्रिक्रयिा को खतरे में डाल सकती है।

प्रमुख बदिु

भारत का रुख:

- भारत इस बात से चतिति है कनिाटो/अमेरकिी गठबंधन सेना की अफगान शांतप्रिक्रयिा और समयपूर्व वापसी आतंकवादी नेटवर्क को लाभ पहुँचा सकती है जो अफगानस्तिान और भारत दोनों को नशिाना बना सकते हैं।
- संयुक्त राष्ट्र ने एक रपिोर्ट जारी करते हुए सबूत दयिा कसिंयुक्त राज्य अमेरकिा से तालबिान के आश्वासन के बावजूद, अलकायदा अभी भी अफगानस्तिान में मौजूद है और सक्रयि है, जसिे तालबिान द्वारा शरण दी जा रही है।
- भारत में, अल कायदा एक प्रचार (Propaganda) अभयिान चलाता है जो हदिू बहुसंख्यक और मुस्लमि अल्पसंख्यक के बीच मतभेदों को भुनाने का प्रयास करता है।
- हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परषिद **(United Nations Security Council)** की बैठक, **Arria फॉर्मूला (Arria Formula-UNSC सदस्य के अनुरोध पर अनौपचारकि रूप से)** के तहत बुलाई गई, जसिमें भारत ने अफगानस्तिान में "तत्काल व्यापक युद्धवरिाम" का आह्वान कयिा और देश में शांतलिाने के सभी अवसरों का स्वागत कयिा।
- भारत ने पछिले लगभग दो दशकों में अफगानस्तिान के पुनर्नरि्माण और वकिास सहायता का भी वर्णन कयिा।
- भारत के अनुसार, अफगानस्तिान में टकिाऊ शांतकि लयि, **डूरंड रेखा** (पाकस्तिान के संदर्भ में) में सक्रयि आतंकवादी ठकिानों को समाप्त करने की आवश्यकता है।
    - डूरंड रेखा दक्षणि-मध्य एशयिा में अफगानस्तिान और पाकस्तिान के बीच 2,670 कलिोमीटर भूमकिी अंतर्राष्ट्रीय सीमा है।
- भारत ने अफगानस्तिान में शांतऔिर स्थरिता के लयि **चार आवश्यकताओं** को रेखांकति कयिा:
- इस प्रक्रयिा को अफगान के नेतृत्व तथा स्वामतिव में होना चाहयि।
- आतंकवाद के प्रतशिून्य सहष्णिुता होनी चहयि।
- पछिले दो दशकों के लाभ को खो नहीं सकते।
    - वशिेष रूप से, भारत आश्वस्त है कमिहलिाओं के अधकिारों की दृढ़ता से रक्षा करने की आवश्यकता है। इसके अलावा, अल्पसंख्यकों और कमज़ोर लोगों के अधकिारों को सुरक्षति रखने की आवश्यकता है।
    - भारत ने यहाँ वभिन्नि इन्फ्रास्ट्रक्चर परयिोजनाओं में भारी नविेश कयिा है, उदाहरण के लयि -**जरंज डेलाराम राजमार्ग, अफगान संसद** आदि।
- अफगानस्तिान के पारगमन अधकिारों का उपयोग देशों द्वारा "अफगानस्तिान से राजनीतकि कीमत नकिालने के लयि" नहीं कयिा जाना चहयि।
- अफगानस्तिान से बाहर के व्यक्तयिों और सामग्रयिों के प्रवाह में बाधा डालने के लयि पाकस्तिान का संदर्भ, उदाहरण के लयि भारत-अफगानस्तिान व्यापार।
- भारत ने अफगानस्तिान को भारत की UNSC अवधकि दौरान शांतकि तलाश में अपने समर्थन का आश्वासन दयिा।
- गैर-स्थायी सीट पर भारत का दो वर्ष का कार्यकाल 1 जनवरी 2021 से शुरू होगा।

चीन का रुख:

- चीन ने विदेशी सैनिकों से एक व्यवस्थित और ज़िम्मेदार तरीके से अफ़ग़ानिस्तान छोड़ने का आह्वान किया ताकि आतंकवादी ताकतों को बढ़ने तथा अफगानिस्तान की शांति और सुलह प्रक्रिया में बाधा पहुँचाने का अवसर न मिलने पाए।
- चीन चिंतित है कि युद्धग्रस्त देश अफगानिस्तान जो चीन के अस्थिर झिंजियांग प्रांत के साथ सीमा साझा करता है, **उइगर मुस्लिम** आतंकवादियों के लिये एक अनुकूल क्षेत्र बन सकता है।
  - उइगर मुख्यतः तुर्क-भाषी जातीय समूह है। वे मुख्य रूप से चीन के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में सीमित हैं और उस क्षेत्र के सबसे बड़े मुस्लिम समूह में से एक हैं।
  - चीन ज़ोर देकर कहता है कि उइगर आतंकवादी बमबारी, तोड़फोड़ और नागरिक अशांति की साजिश रचकर एक स्वतंत्र राज्य के लिये हिंसक अभियान चला रहे हैं।
  - झिंजियांग में धार्मिक अतिवाद पर लगाम लगाने के लिये चीन ने आरोपों पर अंतर्राष्ट्रीय आलोचना का सामना किया है कि उसने एक लाख से अधिक जातीय उइगरों को झिंजियांग में नज़रबंद कर रखा है।
- **पूर्वी तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट (East Turkestan Islamic Movement)**- उइगर आतंकवादी समूह पर प्रतिबंध हटाने के लिये USA की वापसी भी अपने कदम के साथ मेल खाती है।
  - झिंजियांग में हमलों को अंजाम देने के लिये चीन, ETIM का विरोधी है। यह एक अलकायदा समर्थित आतंकवादी समूह है जो अफगानिस्तान में फिर से संगठित है।
  - ETIM को 2002 में अलकायदा, ओसामा बिन लादेन और तालिबान के साथ कथित संबंध के लिये संयुक्त राष्ट्र की 1267 आतंकवाद-रोधी समिति द्वारा आतंकवादी संगठन के रूप में नामित किया गया था।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/withdrawal-of-us-troops-from-afghanistan